



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

Handwritten signature

सं. 80] नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 28, 1993/वैशाख 8, 1915
No. 80] NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 28, 1993/VAISAKHA 8, 1915

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना सं. 128/(पी एन)/92--97

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1993

फाइल सं. 9/2/93-ईपीसी—निर्यात-आयात नीति, 1992-97 के पैरा 16 में
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार एतद्वारा प्रक्रिया पुस्तक,
1992-1997 में गणनालापित सहायन करत है :—

1. अध्याय-8 में पैरा 154 में उपपैरा (2) के पश्चात निम्नलिखित उपपैरा जोड़ा जाएगा:—

“(2क) तराश हुए और पश्कृत हीरो, बहुमूल्य और अर्ध-बहुमूल्य पत्थरों, सिन्थेटिक पत्थरों और संसाधित मोतियों की घरेलू टैरिफ क्षेत्र से निर्यात संसाधन क्षेत्रों में स्थित यूनिटों और स्वीकृत निर्यात अभिमुख यूनिटों को आपूर्ति निर्यात-आयात नीति के परिशिष्ट-1 में दी गई दरों पर और मदों के लिए प्रतिपूर्ति लाइसेंस की स्वीकृति के लिए बाध होगी। प्रतिपूर्ति लाइसेंस की स्वीकृति के लिए आवेदनपत्र देने की प्रक्रिया इस पुस्तक के पैरा 132 में दी गई है। आवेदन संबंधित निर्यात संसाधन जोन के विकास आयुक्त को किया जाएगा।

2. यह लोकहित में जारी किया गया है।

सी. के. मोदी, महानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE NO. 128(PN)/92—97

New Delhi, the 28th April, 1993

File No. 9/2/93-EPC.—In exercise of the powers conferred under paragraph 16 of the Export & Import Policy, 1992—97, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendments in the Handbook of Procedures, 1992—97 :—

1. In Chapter VIII, paragraph 154, the following sub-paragraph shall be added after sub-paragraph (2) :—

“(2A) Supplies of cut and polished diamonds, precious and semi-precious stones, synthetic stones and processed pearls from Domestic Tariff Area to the units situated in Export Processing Zones and approved Export Oriented Units shall be eligible for grant of Replenishment Licences at the rate and for the items mentioned in Appendix I of the Export and Import Policy. The procedure for submission of application for grant of Replenishment Licence is contained in paragraph 132 of this Book. The application shall be made to the Development Commissioner of the EPZ concerned.”

2. This issues in public interest.

C. K. MODI, Director General of Foreign Trade